BSES

बीएसईएस के पास है पर्याप्त बिजली, गर्मियों के लिए खास इंतजाम

लेकिन ट्रिपिंग पर कंपनी का वश नहीं, पावर प्लांट्स में हो रहा उत्पादन कम

नई दिल्ली, 18 अप्रैल, 2009। करीब हफ्ते भर से, उपभोक्ताओं को बिजली आपूर्ति संबंधी कुछ दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है। लेकिन यहां यह बताना जरूरी होगा कि बीएसईएस न सिर्फ गर्मियों के लिए पर्याप्त बिजली की व्यवस्था कर चुकी है, बल्कि कुछ पावर प्लांट्स से छोटी अवधि वाले समझौते भी किए हैं, ताकि किसी भी आपात स्थिति से निपटा जा सके। लेकिन पिछले कुछ दिनों में यह देखने में आ रहा है कि कई पड़ोसी राज्य नॉर्दन ग्रिड से अपने कोटे से काफी ज्यादा मात्रा में बिजली ले रहे हैं। इस वजह से बड़े पैमाने पर ट्रिपिंग हो रही है। पिछले गुरूवार को तो 9 बार ट्रिपिंग हुई। उल्लेखनीय है कि पड़ोसी राज्यों दवारा किए जाने वाले ओवर ड्रॉ की वजह से हो रही ट्रिपिंग्स पर बिजली कंपनियों का कोई वश नहीं है।

इसके अलावा, कुछ पावर प्लांट्स अपनी क्षमता से काफी कम उत्पादन कर रहे थे। दामोदर वैली कॉरपोरेशन से दिल्ली का जो समझौता हुआ है, उस अनुरूप बिजली दिल्ली को नहीं मिल पा रही है। सिंगरौली में कम उत्पादन हो रहा था। बदरपुर प्लांट भी अपनी क्षमता के अनुरूप उत्पादन नहीं कर पा रहा था। बीएसईएस को उम्मीद है कि पनबिजली प्लांट कुछ ही दिनों में अपनी पूरी क्षमता से काम करने लगेंगे और उस के बाद उपभोक्ताओं की बिजली सप्लाई सामान्य हो जाएगी। इस बीच, राज्य सरकार से अनुरोध किया गया है कि वह दामोदर वैली कॉरपोरेशन पर दबाव डाले, ताकि समझौते के मुताबिक दिल्ली को 400 मेगावॉट बिजली मिले।

अनुमान लगाया जा रहा है कि गर्मियों में बीएसईएस इलाके में बिजली का पीक लोड होगा 3000 मेगावॉट और, दिल्ली में 4, 500 मेगावॉट। कंपनी ने पहले से ही विभिन्न राज्यों से 2800 मेगावॉट का समझौता किया हुआ है और इतनी बिजली गर्मियां शुरू होने के पहले भी बीएसईएस के पास उपलब्ध थी। इस हिसाब से, कंपनी को 200 मेगावॉट अतिरिक्त बिजली की जरूरत थी। यह 200 मेगावॉट बिजली हिमाचल प्रदेश, उत्तराखंड, मध्य प्रदेश और मुंबई से ली जा रही है, जहां बीएसईएस ने सर्दियों में अपनी बिजली को बैंक किया था।

यही नहीं, आपातकालीन व्यवस्था के तहत, बीएसईएस ने कैप्टिव एंड को–जनरेशन प्लांट्स से भी 155 मेगावॉट बिजली लेने का समझौता किया है– कर्नाटक प्लांट से 85 मेगावॉट बिजली मिलेगी, जबकि राजस्था से 70 मेगावॉट बिजली मिलेगी। उत्तराखंड, मध्य प्रदेश और कर्णाटक भी हमें 150 मेगावॉट बिजली देंगे, जिसे हम उन्हें सर्दियों में लौटाएंगे।

बीएसईएस अपने उपभोक्ताओं की मुश्किलों को समझती है और उन से अपील करती है कि बिजली आपूर्ति संबंधी दिक्कतों का हमारे साथ मिल कर सामना करें। हम उन्हें चौबीसों घंटे बिजली आपूर्ति करने के लिए वचनबद्ध हैं।

दिल्ली की प्रमुख बिजली वितरण कंपनी बीएसईएस अपने उपभोक्ताओं को गुणवत्तायुक्त बिजली आपूर्ति सुनिश्चित करने के लिए प्रतिबद्ध है।

अधिक जानकारी के लिए संपर्क करें: प्रशान्त दुआ
कॉरपोरेट कम्युनिकेशंस– 39999870 / 9312007822

चंद्र पी कामत
कॉरपोरेट कम्युनिकेशंस– 39999642 / 9350130304